वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-2 अंक-121 सागवाड़ा, मंगलवार,3 जनवरी, 2023 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

गाय की पूजा, पालन और उसकी रक्षा करना हमारा धर्म है- जगदीश गोपाल महाराज

श्रीमद् भागवत सत्संग समिति के तत्वाधान में तथा श्री उत्तम कृष्ण गोपाल गौशाला की सहायतार्थ चल रही दिव्य गोकृपा कथा

सागवाड़ा। श्रीमद् भागवत सत्संग समिति के तत्वाधान में तथा श्री उत्तम कृष्ण गोपाल गौशाला की सहायतार्थ महिपाल स्कूल खेल मैदान के प्रांगण में आयोजित भव्य एवं दिव्य गोकृपा कथा के दूसरे दिन सोमवार को राष्ट्रीय गौ संत जगदीश गोपाल महाराज ने कहा कि गौ माता और गोवंश की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गाय और गोवंश मानव शरीर को उत्तम स्वास्थ्य और बेहतरीन जीवनशैली प्रदान कर सकती है। भगवान की उपासना के लिए गाय की पूजा करना और उसका पालन करते हुए उनकी रक्षा करना हमारा परम धर्म है। गोस्वामी तुलसीदास महाराज ने रामचरितमानस में सत्संग की महत्ता को उल्लेखित करते हुए लिखा है कि राम कृपा बिना सुलभ न सोई अर्थात श्रेष्ठ और सफल जीवन के लिए प्रभु की भक्ति और सत्संग का उचित अवसर खोना नहीं चाहिए। सीधा और सादा रहने के लिए सत्संग जीवन को सुवासमय बना सकता है। उन्होंने कहा है कि मनुष्य जीवन दुर्लभ है और इस दुर्लभ जीवन को आनंद के बिना सुख की प्राप्ति कभी नहीं हो सकती है।

जिसने जन्म लिया उसका मरण भी निश्चित है लेकिन मौत को महोत्सव बनाना है तो गौ माता की शरण में आनंद की प्राप्ति और श्रेष्ठ मृत्यु को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा है कि भगवान श्री कृष्ण के जन्म पर गोकुल में नंद के घर आनंद भयो के शाश्वत अर्थ को समझना होगा। गोकुल में किसी ने यह नहीं कहा कि भगवान का जन्म हुआ है ।आनंद भयो अर्थात भगवान के जन्म से आनंद का उदय हुआ है और यही हमारी पौराणिक धारणा है।

हृदय में सत्संग और भक्ति के भाव हो

चौरासी लाख योनियों में आत्मा के भटकने के बाद ही पुण्योदय से मनुष्य का जीवन मिलता है। मगर वह जीवन भी क्षण भंगुर ही होता है। अंदर की सांस अंदर कब रह जाए यह पता ही नहीं चलता है। मानव रूपी इस देह को सुखमय बनाने के लिए लाख जतन करने पर भी अंतिम समय तक सुख की लालसा के कारण अगले जन्म का भव बेकार हो जाता है। इसके लिए हृदय में सत्संग और भक्ति के भाव मानव जीवन को श्रेष्ठ व सुखमय बना सकता है। जीवन में संपूर्णता रखनी है तो सत्संग का होना बहुत आवश्यक है।

पवित्र तीर्थ राज सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की

उन्होंने कहा कि हमें पुरातन संस्कृति की ओर कदम बढ़ाना होगा क्योंकि यह देश पर्यटन के लिए नहीं धार्मिक स्थानों में दर्शन के लिए विश्वविख्यात है पर्यटन स्थल बना कर धर्म को नष्ट नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा है कि उन्मादी और अहंकारी उल्टी बात करते हैं मगर धर्म रक्षति के लिए हम अपने प्राणों का बलिदान भी दे सकते हैं। उन्होंने कथा के दौरान पवित्र तीर्थ राज सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की।

गो पुष्टि यज्ञ और गौ माता की पूजा की गई

श्रीमद् भागवत सत्संग समिति के तत्वाधान में श्री उत्तम गोपाल कृष्ण गौशाला के सहयोग के लिए दिव्य गो कृपा कथा राष्ट्रीय गौ संत जगदीश गोपाल महाराज के सानिध्य में भव्य स्वरूप में महिपाल खेल मैदान के प्रांगण में आयोजित हो रही है जिसके दूसरे दिन सोमवार को पंडाल में विश्व शांति की मंगल कामना को लेकर गो पुष्टि यज्ञ पं विनोद त्रिवेदी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण से संपन्न कराया गया। यज्ञ के लिए नारायण लाल बनोत परिवार, वेल चंद पाटीदार परिवार एवं नाथू लाल यादव परिवार यजमान रहे हैं। जिन्होंने यज्ञ में आहुति देखकर पूजा अर्चना के साथ विश्व शांति की वंदना की है ?

मुख्य यजमान दिनेश खोड़निया परिवार और प्रधान ईश्वर सरपोटा परिवार ,ललित पंचाल परिवार एवं प्रभु लाल वाडेल परिवार सहित गो भक्तों तथा श्रीमद् भागवत सत्संग समिति सदस्यों ने सबसे पहले पुष्प वर्षा कर संत श्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

पुनर्जन्म वैसा ही प्राप्त होता है

जीवन और मृत्यु का व्यापक विश्लेषण करके दुख सुख और जीवन मृत्यु की परिभाषा को वैदिक उदाहरणो के साथ उल्लिखित करते हुए कहा है कि व्यक्ति के अंतिम समय में जो मन में भाव तथा धारणा होती है अगला जन्म अर्थात पुनर्जन्म वैसा ही प्राप्त होता है। संतो की महिमा का बखान कर कहा कि संत मानव जीवन को श्रेष्ठ स्वरूप और आत्मज्ञान प्रदान कर आनंद के मार्ग की ओर अग्रसर करते हैं।

गाय और गो वंश का वध होना हमारे लिए बड़ी शर्मनाक बात

उन्होंने कहा है कि भगवान श्रीराम को वध नहीं अवध प्रिय रहा है। गाय हमारी मां है और हमें मां का अपमान कभी सहन नहीं करना चाहिए । गाय और गो वंश का वध होना हमारे लिए बड़ी शर्मनाक बात है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने भी समस्त जीवो में प्रभु का वास और जीवो की रक्षा तथा दया करके आत्मीय कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होने की जीवन शैली प्रदान की है जिसे आत्मसात किया जाना चाहिए।